



## महाराष्ट्र शासन राजपत्र असाधारण भाग चार - ब

वर्ष ३, अंक २१] सोमवार, मे २, २०११/वैशाख १२, शके १९६३ [पृष्ठे ३  
किंमत : रुपये १२.००

असाधारण क्रमांक ६३

प्राधिकृत प्रकाशन

महाराष्ट्र शासनाने महाराष्ट्र अधिनियमांच्ये तयार केलेले (भाग एक, एक-आ आणि एक-ल यांमध्ये प्रसिद्ध केलेले नियम व आदेश यांव्यतिरिक्त) नियम व आदेश.

विधी व न्याय विभाग

मंत्रालय, मुंबई ४०० ०३२, दिनांक २ मे २०११

आदेश

मुंबई न्यायालय फी अधिनियम, १९५९.

क्रमांक बीसीए. १००८/(प्र.क्र.८६/०८)/का. १९.— मुंबई न्यायालय फी अधिनियम, १९५९ (१९५९ चा मुंबई ३६) याच्या कलम ४३ च्या पोट-कलम (२) द्वारे प्रदान करण्यात आलेल्या अधिकारांचा वापर करून, महाराष्ट्र शासन याद्वारे, उक्त अधिनियमाला जोडलेल्या अनुसूची ‘एक’ च्या अनुच्छेद १८ अन्वये, तक्रारदाराने भरलेल्या फी चा असा भाग जो, यात जोडलेल्या अनुसूचीच्या संघ (२) मध्ये विनिर्दिष्ट केल्याप्रमाणे, उक्त अनुसूचीच्या संघ (१) मध्ये विनिर्दिष्ट केलेली परिस्थिती व शर्ती यानुसार, न्यायालयाकडून तक्रारदाराला परत करण्याची तरतूद करत आहे.

(१)

भाग चार-ब—६३—१

**अनुसूची**

- |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |                                                                                                                                                     |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <p>(क) परक्राम्य संलेख अधिनियम, १८८१ (१८८१ चा २६) च्या कलम १३८ खालील तक्रार, तपशील/आकार तयार करण्यापूर्वी तक्रारदाराकडून मागे घेण्यात आली असेल किंवा अपराधाचे प्रशमन करण्यात आले असेल व अशाप्रकारे तक्रार मागे घेतल्याच्या किंवा अपराधाचे प्रशमन केल्याच्या दिनांकापासून एक वर्षाच्या आत फी परत करण्याची मागणी करण्यात आली असेल तर,</p> <p>(ख) परक्राम्य संलेख अधिनियम, १८८१ (१८८१ चा २६) च्या कलम १३८ खालील तक्रार, तपशील/आकार तयार करण्यात आल्यावर किंवा त्यानंतरच्या कोणत्याही टप्प्यावर, तक्रारदाराकडून मागे घेण्यात आली असेल किंवा अपराधाचे प्रशमन करण्यात आले असेल व अशाप्रकारे तक्रार मागे घेतल्याच्या किंवा अपराधाचे प्रशमन केल्याच्या दिनांकापासून एक वर्षाच्या आत फी परत करण्याची मागणी करण्यात आली असेल तर,</p> | <p>तक्रारदाराने भरणा केलेल्या न्यायालय फोच्या रकमेच्या पन्नास टक्के,</p> <p>तक्रारदाराकडून भरणा केलेल्या न्यायालय फीच्या रकमेच्या पंचवीस टक्के.</p> |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने,

दिजिट आचलिला,  
शासनाचे प्रधान सचिव आणि विधी परामर्शी.

**LAW AND JUDICIARY DEPARTMENT**  
Mantralaya, Mumbai 400 032, dated 2nd May 2011.

**Order**

**BOMBAY COURT -FEE ACT, 1959.**

No. BCA. 1008/(CR 86/08)/Desk 19.— In exercise of powers conferred by sub-section (2) of section 43 of the Bombay Court-fees Act, 1959 (Bom. XXXVI of 1959), the Government of Maharashtra hereby provides that such part of the fee paid by the complainant under article 18 of Schedule T appended to the said Act, as specified in column (2) of the Schedule annexed hereto, shall be repaid to the complainant by the Court, under the circumstances and conditions, specified in column (1) of the said Schedule.

**Schedule**

(a)	Complaint under section 138 of the Negotiable Instruments Act, 1881 (26 of 1881), when withdrawn by the complainant or the offence is compounded before framing of particulars/charge, subject to further condition that the claim for the repayment is made within one year from the date on which the complaint was withdrawn or the offence is compounded,	Fifty per cent. of the amount of court-fee paid by the complainant.
(b)	Complaint under section 138 of the Negotiable Instruments Act, 1881 (26 of 1881), when withdrawn by the complainant or the offence is compounded after framing of particulars/charge, or any subsequent stages of the complaint, subject to further condition that the claim for the repayment is made within one year from the date on which the complaint was withdrawn or the offence is compounded,	Twenty-five per cent. of the amount of court-fee paid by the complainant.

By order and in the name of the Governor of Maharashtra,

VIJAY ACHLIYA,  
Principal Secretary and Remembrancer  
of Legal Affairs to Government.

ON BEHALF OF GOVERNMENT PRINTING, STATIONERY AND PUBLICATION, PRINTED AND PUBLISHED BY SHRI PARSHURAM JAGANNATH GOSAVI, PRINTED AT GOVERNMENT CENTRAL PRESS, 21-A, NETAJI SUBHASH ROAD, MUMBAI 400 004 AND PUBLISHED AT DIRECTORATE OF GOVERNMENT PRINTING, STATIONERY AND PUBLICATIONS, 21-A, NETAJI SUBHASH ROAD, CHARNI ROAD, MUMBAI 400 004. EDITOR : SHRI PARSHURAM JAGANNATH GOSAVI.